बुंदेलखंड के लिए लाइफलाइन साबित होगी केन-बेतवा लिंक परियोजना

बांदा, महोबा, ललितपुर और झांसी को सिंचाई व पेयजल में मिलेगा लाभ

शोभित श्रीवास्तव • जागरण

- प्रदेश में लगभग 5,121 करोड़ के परियोजना में होने हैं काम
- मप्र के पन्ना में दोधन बांध व बेतवा लिंक चैनल का होगा निर्माण

लखनऊ : मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश की केन-बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड के लिए लाइफलाइन साबित होगी। बांदा, महोबा, झांसी व ललितपुर जिले को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। इससे 2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई की सुविधा के साथ ही इन जिलों में पेयजल भी उपलब्ध हो सकेगा। करीब 44,605 करोड़ रुपये की कुल परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश में लगभग 5,121 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं में काम होगा।

केन बेतवा लिंक परियोजना में केंद्र को 90 प्रतिशत और राज्य को दस प्रतिशत धनराशि वहन करना है। इसके अंतर्गत मध्य प्रदेश के पन्ना में दोधन बांध का निर्माण कार्य एवं 221 किलोमीटर लंबी केन बेतवा लिंक चैनल का निर्माण मार्च 2030 तक होना है। 221 किलोमीटर केन बेतवा लिंक चैनल में से उत्तर प्रदेश में 21 किलोमीटर का निर्माण होगा। इसके साथ ही बांदा में केन नहर प्रणाली का सुधार, महोबा के 15 बांध व तालाबों का जीर्णोद्धार, केन नदी पर बांदा व पैलानी में नए बांध और पारीछा एवं बरुआ सागर बांध का जीर्णोद्धार भी इसके तहत कराया जाएगा। इसमें से पहली परियोजना बांदा में केन नहर प्रणाली के सुधार पर काम इस वर्ष अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए जल्द ही केंद्र सरकार से धनराशि की मांग की जाएगी।

केन बेतवा लिंक परियोजना के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (निर्माण) देवेश शुक्ला ने बताया कि इस परियोजना के तहत केन नदी पर बांदा व पैलानी में दो नए बैराज बनाए जाएंगे। इससे पाइपलाइन से 25,504 हेक्टेयर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। बांदा में केन नहर प्रणाली का निर्माण 115 वर्ष पहले हुआ था। इसमें 1060 किलोमीटर लंबाई की केन नहर प्रणाली से सिंचाई सुविधा उपलब्ध होती है। यह अब पुरानी होने के कारण जीर्ण-शीर्ण हो गई है।

इसका भी जीर्णोद्धार इसी परियोजना से कराया जाएगा। इससे 1,66,973 हेक्टेयर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। बरियारपुर पिकअप, पारीछा एवं बरुआसागर बांध भी सौ वर्ष से अधिक पुराना हो गया है इनका भी जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

इसी प्रकार महोबा के 15 बांध व तालाबों के जीर्णोद्धार एवं लिंक नहर निर्माण से यहां कई क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा बढ़ जाएगी। इसके अलावा महोबा में प्रेशराइज्ड पाइप के जरिए 37,564 हेक्टेयर में लघु सिंचाई व झांसी में 17,488 हेक्टेयर में पंपिंग स्टेशन व लघु सिंचाई प्रणाली विकसित की जाएगी।

किसको कितना पेयजल

जिला	घरेलू जल आपूर्ति
झांसी	14.66
ललितपुर	31.98
महोबा	20.13

(नोट: जल आपूर्ति मिलियन क्यूबिक मीटर में)

किस परियोजना की कितनी लागत

1- बांदा में केन नहर प्रणाली का सुधार - 1191.51 करोड़ रुपये
2- महोबा के 15 बांध/तालाबों का जीर्णोद्धार एवं लिंक नहर - 510 करोड़
3- केन नदी पर बांदा व पैलानी में दो नए बैराज का निर्माण - 2000 करोड़
4- बरियारपुर, पारीछा एवं बरुआ सागर बांध का जीर्णोद्धार - 220 करोड़
5- महोबा व झांसी में लघु सिंचाई प्रणाली विकसित करना - 1200 करोड़

राज्यों का जल बंटवारा

उत्तर प्रदेश	1700 मिलियन क्यूबिक मीटर
बिना मानसून	750 मिलियन क्यूबिक मीटर
मानसून के समय	950 मिलियन क्यू. मी.
मध्य प्रदेश	2350 मिलियन क्यूबिक मीटर

क्षेत्र में होगा सामाजिक आर्थिक विकास: स्वतंत्र देव सिंह

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि केन बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड की सूखी धरती को सिंचाई के लिए और अधिक पानी मिल सकेगा। इससे इस क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक विकास आएगा। परियोजना से प्रदेश के चार जिलों बांदा, महोबा, झांसी व ललितपुर को सीधा फायदा पहुंचने के साथ ही उरई व हमीरपुर को भी लाभ मिलेगा। यह परियोजना बुंदेलखंड के लिए लाइफलाइन साबित होगी।